अपठित गद्यांश

मूर्ख कुत्ता

एक कुत्ता थीा। एक दिन उसे हड्डी मिली। वह हड्डी लिए नदी के पुल पर प हुँचा। नदी के पानी में उसने अपनी परछाई को देखा। वह समझा कि दूसरा कुत्ता उससे बड़ी हड्डी लिए हुए है। बड़ी हड्डी को देखकर कुत्ते को लालच आ गया। जैसे ही उसने बड़ी हड्डी को पाने के लिए मुँह खोला उसकी हड्डी पानी में जा गिरी। इस प्रकार मूर्ख कुत्ते ने लालच में अपनी हड्डी खो दी।

कहानी को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

प्र0 1 कुत्ते को एक दिन क्या चीज़ मिली?

उ0

_____

_____

प्र0 2 कुत्ता हड्डी लिए कहाँ पहुँचा?

उ0

_____

_____

प्र0 3 नदी क पानी में कुत्ते ने क्या देखा?

उ0

_____

_____

Shiksha4Kids

प्र04

जैसे ही उसने बड़ी हड्डी को पाने के लिए ——————————————————
———खोला उसकी हड्डी ————————
———————————— में जा गिरी।

प्र05 मूर्ख कुत्ते ने ————————————————— में अपनी हड्डी खो दी।

Shiksha4kids